राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 336 | जौनपुर | शनिवार, 26 जलाई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

राबड़ी देवी का दावा– 4 बार हो चुकी है हत्या की साजिश

बिहार, (एजेंसी) । राजद नेता राबड़ी देवी ने शुक्रवार को गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके बेटे तेजस्वी यादव की जान को खतरा है और हाल के दिनों में उनकी हत्या की चार बार कोशिश की गई। राबड़ी देवी ने बिहार विधानसभा के बाहर कहा कि उनकी जान लेने की कोशिश की जा रही है। तेजस्वी की जान को खतरा है। जेडीयू और बीजेपी के अलावा कौन साजिश रचेगा। राबड़ी देवी ने यह भी आरोप लगाया कि विधानसभा में तेजस्वी यादव को नुकसान पहुँचाने की साजिश रची जा रही है। जेडीयू और बीजेपी पर सीधा हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि इन पार्टियों द्वारा तेजस्वी की चार बार हत्या की कोशिश की गई। इस सप्ताह की शुरुआत में, बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर दिए गए बयान के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हस्तक्षेप के बाद तीखी बहस हुई। स्थिति तेजी से बिगड़ी और अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होने के बमुश्किल 30 मिनट बाद ही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। अध्यक्ष ने कई विपक्षी सदस्यों के आचरण पर, जिन्होंने असंसदीय भाषा का प्रयोग किया, और साथ ही सत्ता पक्ष के सदस्यों के आचरण पर भी, जिन्होंने बार–बार अनुरोध के बावजूद अपनी बात नहीं मानी, नाराजगी व्यक्त की। राज्य में चुनाव आयोग की इस कवायद के विरोध में काली टी–शर्ट पहने विपक्ष के नेता को अध्यक्ष ने इस मुद्दे पर बयान देने की अनुमति दी,।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में परिसीमन नहीं होगा, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली, (एजेंसी) । सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए परिसीमन प्रक्रिया शुरू करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। मामले की सुनवाई करते हुए, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने दोनों राज्यों के खिलाफ कथित भेदभाव की दलील को खारिज कर दिया और कहा कि राज्यों में परिसीमन से संबंधित प्रावधान केंद्र शासित प्रदेशों की तुलना में अलग हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर के लिए जारी परिसीमन अधिसूचना से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को बाहर रखना मनमाना या भेदभावपूर्ण नहीं था और इसलिए संवैधानिक है। इसके अलावा, शीर्ष न्यायालय ने के पुरुषोत्तम रेड्डी द्वारा दायर याचिका को भी खारिज कर दिया, जिन्होंने केंद्र को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की धारा 26 को लागू करने का निर्देश देने की मांग की थी, जो दोनों राज्यों में विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन से संबंधित है। रेड्डी ने तर्क दिया है कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को छोड़कर, केवल नवगठित केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन करना है।

हर मुश्किल का कराएंगे समाधान : सीएम योगी

गोरखपुर, (एजेंसी)। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह लगातार दूसरे दिन जनता दर्शन में आए लोगों से मुलाकात की और आश्वस्त किया कि सरकार जनता की हर समस्या का प्रभावी समाधान कराएगी। सीएम योगी ने ध्यान से सबकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का निस्तारण संवेदनशीलता और तत्परता से किया जाए। इसमें तनिक भी लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए संकल्पित है। सीएम ने अफसरों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया।

लोकसभा और राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद के दोनों सदनों में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में होगी। जानकारी के मुताबिक, सोमवार यानी 28 जुलाई को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर चर्चा की शुरुआत करेंगे। चर्चा में भाग लेने वाले अन्य मंत्रियों में गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी शामिल हैं। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर और निशिकांत दुबे भी इसमें भाग लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चर्चा में हिस्सा ले सकते हैं। ऐसे ही राज्यसभा में 29 जुलाई को ऑपरेशन सिंधु पर चर्चा शुरू होगी। इसमें राजनाथ सिंह, जयशंकर और अन्य मंत्री भाग लेंगे। उच्च सदन में भी प्रधानमंत्री मोदी के चर्चा में हिस्सा लेने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों सदनों में इस विषय पर 16 घंटे की चर्चा होगी।

सर्वदलीय बैठक में सदन चलाने पर बनी सहमति, लोकसभा में जल्द से नियमित होगी कार्यवाही

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मानसून सत्र में विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी और विरोध के बीच निचले सदन की कार्यवाही शुक्रवार को भी स्थगित कर दी गई। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सर्वदलीय बैठक बुलाई और सदस्यों से सदन को सुचारू रूप से चलने देने का आग्रह किया। बैठक के दौरान ऑपरेशन सिंदूर पर एक सत्र आयोजित करने पर भी चर्चा हुई। इससे पहले आज सुबह राज्यसभा और लोकसभा दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। उच्च सदन की बैठक अब सोमवार सुबह 11 बजे होगी, जबकि लोकसभा दोपहर 2 बजे फिर से शुरू होगी। सोमवार से (28 जुलाई) से सदन सुचारू रूप से चलाने पर सहमति बन गई है। इसी दिन ऑपरेशन सिंदूर पर भी चर्चा होगी। बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों के विरोध के बीच अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद में प्रश्नकाल, चर्चा और संवाद को जारी रखने की अपील की और कहा कि सभी सांसदों को संसदीय मर्यादा का पालन करते हुए जनहित के मुद्दों पर बहस करनी चाहिए। विपक्षी सांसद बिहार में चल रही विशेष तीव्र पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर चर्चा की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि चुनाव आयोग द्वारा राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले की जा रही यह प्रक्रिया जन प्रतिनिधित्व के अधिकार पर हमला है।

उपराष्ट्रपति पार्टी विचारधारा के लिए समर्पित नेता को उम्मीदवार बना सकते है

नई दिल्ली, (एजेंसी) । चुनाव आयोग द्वारा अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए रिटर्निंग अफसर की नियुक्ति कर दी गई है। वहीं भाजपा नेतृत्व गठबंधन ने भी इस अहम संवैधानिक पद के लिए अपने उम्मीदवार के चयन पर मंथन शुरू करने वाला है। ऐसे संकेत हैं कि विपक्ष भी इस दौड़ में शामिल हो सकता है। हालांकि लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों वाले निर्वाचक मंडल में, सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के पास स्पष्ट बहुमत है। वर्तमान में संसद के कुल 782 सांसदों में से एनडीए के पास 425 सांसद हैं। ऐसे में एनडीए उम्मीदवार की जीत तय मानी जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भाजपा और उसके सहयोगियों ने अभी संभावित उम्मीदवार के नाम पर विचार–विमर्श शुरू नहीं किया है, लेकिन एक मजबूत राय है कि भाजपा नेतृत्व इस बार प्रयोग पर ध्यान देने की बजाय संगठनात्मक मजबूती और पार्टी विचारधारा को प्राथमिकता देगा। खासकर जगदीप धनखड़ के मामले से सीख लेते हुए भाजपा इस बार अपने अनुभवी नेताओं के नाम पर विचार कर सकती है। उपराष्ट्रपति पद सहयोगी पार्टियों के पास जाने की संभावना बेहद कम है और आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा अपने ही किसी नेता को उपराष्ट्रपति बनाना चाहेगी। 1991 में जनता दल के सांसद के रूप में अपना राजनीतिक जीवन शुरू करने वाले जगदीप धनखड़ बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए। इसके बाद उनकी निष्ठा भाजपा के लिए हो गई। सुप्रीम कोर्ट में एक वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में धनखड़ ने भाजपा नेतृत्व का ध्यान आकर्षित किया, जिसके कारण उन्हें 2019 में पश्चिम बंगाल का राज्यपाल नियुक्त किया गया। बंगाल राज्यपाल रहते हुए धनखड़ और ममता बनर्जी की सरकार में कई बार टकराव की स्थिति बनी और धनखड़ ने अपनी आक्रामक कार्यशैली से कई बार ममता सरकार को असहज किया। साल 2022 में जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति नियुक्त किया गया।

नरेंद्र मोदी झूठों के सरदार, देश को कर रहे गुमराह : खड़गे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में कांग्रेस के ओबीसी नेतृत्व भागीदारी न्याय सम्मेलन में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हमें अधिकार के लिए लड़ना इसलिए जरूरी है, क्योंकि मांगने पर भी हमें अधिकार नहीं दिया जाएगा। हमको कभी संघर्ष करना पड़ता है, कभी ताकत दिखानी होती है, चुनाव के वक्त अपने उसूलों पर चलने वाले को चुनकर लाना होता है। उन्होंने कहा कि आवाज तभी सुनी जाएगी, जब ओबीसी के लोग चुनकर आएंगे। खड़गे ने दावा किया कि मोदी जी खुद को ओबीसी बोलते हैं, पहले वो अपर कास्ट में थे, लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद अपनी कम्यूनिटी को फिर उन्होंने अपनी चालबाजी शुरू की, बीच बोलते हैं कि भाईयों–बहनों मैं पिछड़ा वर्ग का हूं, मुझे सताया जाता है। लेकिन.. अब वो सबको सता रहे हैं, और अब ये नहीं चलेगा। उन्होंने तीखा तंज सकते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी झूठों के सरदार हैं। झूठ बोलना ही उनका काम है। उन्होंने देश से झूठ बोला कि हर साल युवाओं को 2 करोड़ नौकरी दूंगा, विदेश से कालाधन लाऊंगा, सबको 15–15 लाख दूंगा, किसानों को एमएसपी दूंगा और बैकवर्ड क्लास की आमदनी बढ़ा दूंगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि नरेंद्र मोदी संसद तक में झूठ बोलते हैं। इसलिए हमें लोगों को समझाना चाहिए कि नरेंद्र मोदी देश को गुमराह कर रहे हैं ।

कांग्रेस शासनकाल में जाति जनगणना न कराना मेरी गलती है : राहुल गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जाति जनगणना को लेकर अहम बयान दिया है। राहुल गांधी ने माना कि अपनी पार्टी के शासनकाल में जाति जनगणना न कराना बड़ी गलती थी। मै अब इसे सुधारना चाहता हूं। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में कांग्रेस शुक्रवार को ओबीसी नेतृत्व भागीदारी न्याय सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मुझे राजनीति करते हुए 21 साल हो गए हैं। जब मैं पीछे देखता हूं और खुद का आत्मनिरिक्षण करता हूं... .. मैंने कहां–कहां सही काम किया और कहां कमी रही. तो दो तीन बड़े मुद्दे दिखते हैं। मैंने जमीन अधिग्रहण कानून बनाया, मनरेगा लेकर आया और नियमगिरी की लड़ाई लड़ी। ये काम मैंने ठीक किए... चाहे वह आदिवासियों, दलितों और अल्पसंख्यकों की बात हो तो मुझे अच्छे नंबर मिलने चाहिए, महिलाओं के मुद्दे पर सही नंबर मिले चाहिए। राहुल गांधी ने आगे कहा कि अगर मैं अपनी कमी की बात करता हूं तो मैंने एक गलती की है, जो ओबीसी वर्ग है उसकी जिस तरह से मुझे रक्षा करनी चाहिए थी, वह मैंने नहीं की। इसका कारण था, आपके जो मुद्दे थे उस समय, मुझे गहराई से समझ नहीं आए। 10–15 साल पहले जो दिक्कतें दलितों के सामने थी वह मुझे समझ आ गई। आदिवासियों के मुद्दे भी आसानी से समझ आ जाते हैं, लेकिन ओबीसी के मुद्दे आसानी से नहीं दिखते हैं, वह छुपे रहते हैं। अगर मुझे आपकी दिक्कतों के बारे में थोड़ा सा भी पता होता तो मैं उसी समय जाति जनगणना करवा देता। यह कांग्रेस की गलती नहीं बल्कि मेरी गलती है। वो मेरी गलती है, जिसे मैं ठीक करने जा रहा हूं। ये एक तरह से अच्छा ही हुआ, क्योंकि अगर उस समय मैंने जातिगत जनगणना करवा दी होती, तो वो आज जैसी नहीं होती। राहुल गांधी ने कहा कि देश में दलित, पिछड़ा, आदिवासी, अल्पसंख्यक वर्ग की आबादी कुल मिलाकर करीब 90 फीसदी है। लेकिन जब बजट बनने के बाद हलवा बांटा जा रहा था, तो वहां 90 फीसदी की आबादी का कोई नहीं था। देश की 90 फीसदी की आबादी ही प्रोडक्टिव फोर्स है। हलवा बनाने वाले लोग आप हैं, लेकिन हलवा वो खा रहे हैं। हम ये नहीं कह रहे कि वो हलवा न खाएं, लेकिन कम से कम आपको भी तो मिले। जनगणना के मुद्दे को लेकर राहुल गांधी ने आगे कहा कि, आप मेरी बहन प्रियंका से पूछिएगा कि अगर राहुल ने किसी काम के लिए मन बना लिया तो उस बात को वो छोड़ेगा या नहीं? मैं नहीं छोड़ने वाला। जातिगत जनगणना तो पहला कदम है, मेरा लक्ष्य है कि आपके काम को हिंदुस्तान में सम्मान और भागीदारी मिले।

एक और भाषा आंदोलन की जरूरत : ममता बनर्जी

कोलकाता, (एजेंसी)। बंगाली भाषा को लेकर उठे विवाद के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक और भाषा आंदोलन का आह्वान किया और आरोप लगाया कि कई स्थानों पर बंगाली बोलने के लिए लोगों को परेशान किया जा रहा है। महानायक सम्मान पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि सभी को जागृत करने के लिए एक और भाषा आंदोलन की आवश्यकता है। कई जगहों पर बंगाली बोलने के कारण लोगों को परेशान किया जा रहा है। बंगाली दुनिया में पाँचवीं सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है और एशिया में दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। लगभग 30 करोड़ लोग बंगाली बोलते हैं और आज बंगाली बोलने वालों को जेल भेजा जा रहा है। व्यापक जनभागीदारी का आह्वान करते हुए, उन्होंने जागरूकता बढ़ाने के लिए सभी स्तरों पर कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मैं इसे स्वीकार नहीं कर सकती, और मेरा मानना है कि आप भी नहीं कर सकते। सिर्फ बंगाली बोलने के कारण लोगों को हिरासत में नहीं लिया जा सकता। हम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। इस मुद्दे पर हर स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। यह मुद्दा सिर्फ मेरा नहीं हैय यह सबका है। बंगाल हमारे लिए सब कुछ है। हमें इस जमीन की रक्षा करनी चाहिए। मुख्यमंत्री बनर्जी ने अपनी मातृभाषा की सराहना करते हुए कहा कि हम सभी अपनी मातृभाषा बोलते हैं। बच्चे पहली बार अपनी मातृभाषा में माँ बोलते हैं। हालाँकि, बंगाली भाषा को लेकर भाषा युद्ध छिड़ गया है। पश्चिम बंगाल के फिल्म उद्योग, टॉलीवुड, पर कटाक्ष करते हुए, बनर्जी ने संगीत में बंगाली सामग्री की कमी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आजकल हमारे गानों में बंगाली कहाँ है? बस तेज और भड़कीला संगीत है। हमारे पास इसके लिए बॉलीवुड पहले से ही मौजूद है। दक्षिण भारतीय फिल्में भी लोकप्रिय हैं। लेकिन टॉलीवुड में सिर्फ संगीत ही नहीं, बल्कि ज़्यादा बंगाली गाने होने चाहिए। अपना रुख स्पष्ट करते हुए, बनर्जी ने कहा कि वह अन्य भाषाओं के विरोध में नहीं हैं, बल्कि उन्होंने बंगाली भाषा के संरक्षण के महत्व पर जोर दिया।

शस्त्र के साथ शास्त्र का भी ज्ञान जरूर, ऑपरेशन सिंदूर पर सीडीएस चौहान का बड़ा बयान

नई दिल्ली, (एजेंसी) । चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकी संगठनों के खिलाफ भारत का सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर जारी है और सेनाएं दूसरी तरफ से किसी भी दुस्साहस के लिए चौबीसों घंटे तैयार हैं। सीडीएस चौहान ने कहा कि जैसा कि मैंने पहले कहा युद्ध में कोई दूसरा नहीं होता, और ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए, जो अभी भी जारी हैय हमारी तैयारी का स्तर बहुत ऊंचा होना चाहिए। दिल्ली में एक रक्षा संगोष्ठी में बोलते हुए सीडीएस चौहान ने कहा कि प्रौद्योगिकी उन्नत हो गई है और योद्धाओं को युद्ध के तीनों स्तरों अर्थात सामरिक, परिचालन और रणनीतिक में महारत हासिल करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हम प्रौद्योगिकी के निरंतर विकास से प्रेरित एक अभूतपूर्व गति देख रहे हैं। अब हम उस मोड़ पर खड़े हैं जिसे मैं सैन्य मामलों में तीसरी क्रांति कहता हूँ, जिसे मैंने अभिसरण युद्ध के रूप में गढ़ा है। युद्ध का यह रूप गतिज और अगतिज साधनों का सम्मिश्रण करता है, और पहली और दूसरी पीढ़ी के युद्ध के तत्वों को तीसरी पीढ़ी के युद्ध के साथ जोड़ता है। यह सामरिक, परिचालन और रणनीतिक क्षेत्रों का अभिसरण है। सीडीएस सिन्हा ने कहा कि यह समय है जब सेना को श्शस्त्रश (युद्ध) और शास्त्र दोनों को समझना चाहिए। पहलगाम हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी समूहों के खिलाफ एक बड़ा अभियान चलाया।

संपादकीय

संस्था की सख्ती और शिक्षण

यह विडंबना है कि नियामक संस्था की सख्ती और शिक्षण संस्थाओं की सक्रियता के बावजूद रैगिंग का रोग काबू में नहीं आ रहा है। जब–तब कुछ छात्रों के आत्महत्या करने और कई मामलों में दोषी छात्रों के निलंबन व पुलिस कार्रवाई के मामले भी अक्सर उजागर होते हैं, मगर मर्ज है कि लाइलाज होता जा रहा है। सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये–नये तौर–तरीके तलाश लेते हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले यूजीसी ने देश के 89 उच्च शिक्षा संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी करके सख्त हिदायत दी है कि रैगिंग पर नियंत्रण करने वाले नियमों को सख्ती से क्यों लागू नहीं किया गया। यूजीसी ने इन उच्च शिक्षण संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि इन संस्थाओं के परिसर में छात्रों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता है। अब जब देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नये छात्रों के प्रवेश का सिलसिला आरंभ होने वाला है, यूजीसी ने एक बार फिर सख्ती दिखाई है। उसने रैगिंग के नये तौर–तरीकों से कड़ाई से निपटने का निर्देश दिया है। दरअसल, विभिन्न प्रसंगों में देखा गया है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये तौर–तरीके इस्तेमाल कर रहे हैं। यूजीसी के मुताबिक, ऐसे मामले प्रकाश में आये हैं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप समूह बनाकर नये छात्रों को उससे जुड़ने के लिये बाध्य करते हैं। फिर छात्रों के मानसिक उत्पीड़न का सिलसिला आरंभ हो जाता है। यही वजह है कि यूजीसी ने नये छात्रों को परेशान करने के इस नये तरीके के प्रति शिक्षा संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि ऐसे मामले भी रैगिंग विरोधी नियमों के दायरे में आते हैं। इन मामलों में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विश्वविद्यालय, शैक्षणिक संस्थानों व कालेजों को रैगिंग मुक्त वातावरण बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। निश्चित रूप से नया सत्र शुरू होने से पहले यूजीसी की यह सक्रियता व सार्थक पहल स्वागत योग्य है। ऐसे में उच्च शिक्षण संस्थानों और कालेज प्रबंधन का दायित्व बनता है कि वे रैगिंग के नये तौर–तरीकों की सतर्कता से निगरानी करें। ताकि इसका इस्तेमाल नये छात्रों को आतंकित करने तथा अपमानित करने के लिए न किया जा सके। यह विडंबना ही है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये–नये तरीके निकाल लेते हैं। यही वजह है कि नये छात्रों की शिकायतें लगातार सामने आती रहती हैं। पिछले सत्र में शिकायतें मिलीं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप ग्रुप में नये छात्रों को शामिल करके उन्हें धमकाते हैं। उन पर अपमानजनक नियम थोपते हैं। उन पर न केवल व्यंग्य करते हैं बल्कि गालियां भी देते हैं। ऐसे में नये भविष्य के लिए उत्साहित छात्र नयी परिस्थितियों में खुद को ढालने की कोशिश में विफल हो जाते हैं। उन्हें कई तरह से मानसिक व शारीरिक कष्टों तक का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि भयाक्रांत होने से कई छात्र विश्वविद्यालय या कालेज छोड़ने तक के लिए बाध्य हो जाते हैं। कुछ छात्र लंबे तनाव के बाद डिप्रेशन तक में चले जाते हैं। निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

प्रतिशोध की आग में खुद झुलसा पाक

सुरज

पाकिस्तान ने 1971 की हार से सबक लेकर रीति–नीति से खुद में सुधार करने के बजाय भारत से बदला लेने को लक्ष्य बना लिया। जिसे सेना ने स्थाई सिद्धांत में बदल डाला। उसकी जिध्द ने आर्थिकी व लोकतंत्र को नष्ट किया। पाक अलग–थलग पड़ गया। दरअसल,पाकिस्तान की सबसे बड़ी हार ढाका नहीं, बल्कि उससे सबक न सीखना है। हर पीढ़ी में, राष्ट्रों को पूछना चाहिए कि उन्हें क्या कुछ याद रहा, बल्कि यह भी कि किस रूप में याद रखना चुना। जब स्मृति प्रतिशोध बन जाए, तो ही मुंह बंद कर किसी की पहचान नकारी जा सकती है। फिर भी, यह सच्चाई स्वीकार करने के बजाय, पाकिस्तानी शासन, खासकर उसके सैन्य प्रतिष्ठान ने एक अलग रास्ता चुना रू आत्मचिंतन का नहीं, बल्कि प्रतिशोध का। हार की आग में जलते हुए, बदले की भावना से ओत–प्रोत एक सिद्धांत गढ़ा। ऐसा सिद्धांत जिसने राह सुधारने की बजाए उसे षड्यंत्रकारी बनाया, और राष्ट्रीय पीड़ा को संस्थागत स्थायित्व में बदल दिया। यह सिद्धांत तबसे कई रूप ले चुका है। वर्ष 1971 के बाद वाले दशकों में, पाकिस्तानी सेना ने सार्वजनिक जीवन के हर क्षेत्र में

घुसपैठ कर ली रू अर्थव्यवस्था, शिक्षा, मीडिया, विदेश नीति और यहां तक कि धर्म में भी। पाठ्यपुस्तकें आक्रामकता का महिमामंडन करती हैं और आत्मनिरीक्षण शामिल नहीं है। सरकार भले ही चुनाव से बनती हो, लेकिन फैसले जनरल लेते हैं। आर्थिक स्वायत्तता पाने की जगह रणनीतिक भाड़े पर काम करना चुना। और जब दुनिया से इस हेतु पैसा आना बंद हो गया, तो खालीपन भरने को अन्य ने मौका लपका – चीन, खाड़ी मुल्क, गैर–सरकारी गुप्त संगठन भी दृ बतौर साझेदार नहीं, बल्कि कठपुतली के रूप में बरतने को। ऐसे ढांचे को कायम रखने के लिए एक दुश्मन जरूरी होता है। अगर भारत का वजूद न होता, तो यह सिद्धांत कोई और दुश्मन गढ़ लेता। और इस तरह, युद्ध कभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ – बस युद्ध के मैदान से हटकर तौर–तरीके बदल गए। कारगिल, आईसी–814 अपहरण , मुंबई आतंकी हमला, पुलवामा और अब पहलगाम कांड – हर घटना यह दिखाने को कि रग हमारे हाथ में है, अपनी खोई प्रतिष्ठा फिर हासिल करने की या अपमान की इबारत फिर लिखने की कोशिश रही। लेकिन हर बार, पाक के लिए नतीजे उसके इच्छित लक्ष्य से कहीं ज़्यादा बुरे रहे। इस सिद्धांत की कीमत उसे अंदरूनी पतन के रूप में और बाहरी दुनिया में अलग –थलग पड़ चुकानी पड़ी है। इस बदले से हासिल क्या हुआ? दरअसल, आतंकवाद एक दोधारी तलवार बन गया रू वह जिसका इस्तेमाल कभी दूसरों को गहरी सामरिक चोट देने के वास्ते किया, अब वही बेखौफ होकर देश के अंदर हमला कर रहा है। आर्थिक बर्बादी यानी मुद्रास्फीति, ऊर्जा संकट, संप्रभुता का हनन। कूटनीति कुंद पड़ी, यहां तक कि पारंपरिक सहयोगी भी अब मदद करने से पहले शर्तें मनवा रहे हैं। नागरिक समाज का क्षरण रू पत्रकारों का मुंह बंद करना, अल्पसंख्यकों को सताना, असहमति जुर्म बना दी गई। यह राष्ट्रीय सुरक्षा नहीं , राष्ट्रीय स्व–क्षति के सिद्धांत को जामा पहनाना है। जो सेना कभी 'विचारधारा का संरक्षक' होने का दावा करती थी, अब रियल एस्टेट और मीडिया चौनल मालिकों की चौकीदारी कर रही है। दरअसल, यह अपनी ही अक्षमता की रचयिता और बंदी बन चुकी है। फिर आन पहुंचे असीम मुनीर! जब ऐसा लगने लगा कि बदले की आग कुछ मद्धम पड़ रही है, एक शख्स आया जिसने उसे फिर भड़का दिया। जनरल मुनीर, जिन्हें असफलता के विचार से घृणा है, 1971 के बाद रची पाकिस्तान की पटकथा को ठंडा पड़ते देख सह न सके, और जम्मू–कश्मीर से अनु. 370 हटाना तो बिल्कुल असहनीय रहा। उन्होंने फिर पूरे सिद्धांत को चिंगारी दे दी। मुनीर अपने भाषणों में द्वि–राष्ट्र सिद्धांत का जोर–शोर से आह्वान करते हैं, उग्रवाद को शह और शत्रुता को नए सिरे से भड़काने को सड़क पर भीड़ उतारना एवं राज्य स्तर पर माहौल बनाना चाहते हैं। लेकिन इस बार, क्षेत्र ने प्रतिक्रिया अलग तरह की दी। ऑपरेशन सिंदूर न केवल भारत की सैन्य सुस्पष्टता, बल्कि कूटनीतिक संयम की भी मिसाल रहा। मुनीर को इसकी कीमत स्पष्ट पता चल गई – न केवल भारत की प्रतिरोधी कार्रवाई से, बल्कि अलग–थलग पड़ने में भी। विडंबना यह कि जिन नेताओं को उन्होंने चुनावी लाथ पहुंचाकर सशक्त बनाया, अब उन्हें ही उनका कोपभाजन बनना पड़ रहा है। जिस सिद्धांत ने कभी प्रतिष्ठा बनाने का वादा किया, वही बोझ बन सिर पर सवार है। रक्त बहाकर जन्मा और कभी दृढ़ पुनर्निर्माण का प्रतीक रहा बांग्लादेश अब एक संकटपूर्ण रास्ते पर चल निकला है। यह उन्हीं आवेगों का प्रतिबिम्ब है, जिन्होंने कभी उसे सताया था – सत्ता को मुट्ठी में रखना, विपक्ष को दबाना और असहमति को गद्दारी ठहराने जैसी पुरानी इबारत का लौटना। बांग्लादेश के अब फिर उस हालत में पहुंचने का डर बन गया है, जिसपर कभी इसने जीत पाई थी। यहां फिर से वही दक्षिण एशिया है दृ जिसे सबक लेना गवारा नहीं। पाकिस्तान की सेना अभी भी एक शून्य–योग भ्रम में फंसी हुई है – मीडिया सुर्खियों को रणनीति और पतन को गरिमा समझ रही है। और ऐसा करके, वह अपने नागरिकों को असुरक्षा और मोहभंग में और ज्यादा गहरे धकेल रही है। यहां यह पूछना जरूरी हैरू ऐसे सिद्धांत का क्या फायदा जो देश की किसी भी संस्था को मजबूत न करता हो, उसके किसी भी घाव को न भर सके और किसी भी व्यक्ति को सुरक्षित न कर सके? प्रतिशोध एक घटिया शिक्षक होता है। पिछली गलतियों के दोहराव के अलावा कुछ नहीं सिखाता। आगे के विकल्प स्पष्ट है।

यह भविष्य को अतीत की जंजीरों में जकड़ देती है। इस सिद्धांत का इससे स्पष्ट उदाहरण और कोई नहीं है कि 1971 के बाद से पाकिस्तान बदला लेने का जुनून पाले हुए है। ढाका में आत्मसमर्पण करने के 53 साल बाद भी, यह सच्चाई अटल है रू 1971 में पाकिस्तान के टुकड़े भारत की वजह से नहीं हुए थेदृ बल्कि पाकिस्तान की अपनी करतूतें थी। यह सिर्फ एक युद्ध का अंत नहीं थाय यह एक दोषपूर्ण राष्ट्रीय कल्पना का सामने आना था। पूर्वी पाकिस्तान की त्रासदी उनके द्वारा रची गई थी जिन्हें यह देखने से इनकार था कि राष्ट्र को जबरन एकजुट नहीं रखा जा सकता, न

चांदी की चांदी हुई अब आम–खास से दूर

शोभीत

देश के सर्राफा बाजारों में चांदी की कीमतें रिकॉर्ड तोड़ रही हैं। बढ़ती कीमतों के चलते आम ग्राहक और छोटे व्यापारी चांदी से दूर हो रहे हैं। वहीं, औद्योगिक मांग और निवेश बढ़ने से चांदी की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। देश के सर्राफा बाजारों में एक तरह से सन्नाटा छा गया है। सोने–चांदी की कीमतों से बाजार चकाचौंध हो रहे हैं। बीती 23 जुलाई को भारत में चांदी के दाम नया रिकॉर्ड बनाते हुए रुपये 1,16,000 प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर खुले। पिछले कुछ महीनों से चांदी के भाव में तेजी देखी जा रही है। आम ग्राहक सोने के बाद अब चांदी से भी दूर भाग रहा है। चांदी के गहने समाज के कम आय वर्ग के लोगों और ग्रामीण महिलाओं में बेहद लोकप्रिय हैं। चांदी के व्यापार में देशभर में लाखों लोग लगे हुए हैं क्योंकि सोने के मुकाबले चांदी की कीमतें हमेशा काफी कम रहती थीं। उनका व्यापार करने के लिए ज्यादा पूंजी की जरूरत नहीं होती थी। त्योहारों में चांदी की बिक्री तो बढ़ती ही है, शादी–ब्याह में भी यह उपहार के तौर पर दिये जाते हैं। ग्रामीण तथा अर्ध–शहरी क्षेत्रों में भी दिवाली पर चांदी के लक्ष्मी–गणेश उकेरे हुए सिक्के खूब बिकते हैं। लेकिन पिछले साल से इसमें रुकावट आ गई है और इस साल तो बिक्री अभी ठप है। किसी समय यह एक एसेट था जो बड़े किसान, कारोबारी वगैरह घर पर रखते थे और यह तत्काल नकदी की जरूरत पूरी करता था। वक्त के साथ चांदी की कद्र कम हो गई और सोना ही मुख्य धातु बन गया। पिछले कुछ वर्षों से इसके दाम बढ़ते ही गए और सारे रिकॉर्ड टूट गये। सोना आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गया और चांदी ही उसका सहारा बनी रही। लेकिन उसके भी दामों में उछाल आया। पिछले साल पहली अगस्त को चांदी के दाम 83,000 रुपये प्रति किलो हो गये थे, जिससे सर्राफा बाजारों में सन्नाटा छा गया था। कारोबारी ज्यादा स्टॉक लेने से बच रहे हैं। उन्हें डर है कि आगे चलकर इसके दाम धराशायी न हो जायें। रिटेल बिजनेस इससे चौपट हो गया है और खरीदार बाजार से दूर हो गये हैं। भारत में चांदी पर 12 फीसदी एक्साइज ड्यूटी और 5 फीसदी जीएसटी है जिससे ग्राहक तक पहुंचते–पहुंचते चांदी बहुत महंगी हो जाती है। दिल्ली के कूचा महाजनी सर्राफा एसोसिएशन के महासचिव बताते हैं कि पहले चांदी के गहने में लोग पैसा लगाते थे। लोग भारत ही नहीं, बल्कि कई अन्य देशों में भी चांदी के गहने बनाते रहे हैं, लेकिन बाद में सोने का चलन बढ़ने के कारण चांदी को वह स्थान नहीं मिल सका। हाल के वर्षों में चांदी का इंडस्ट्रियल इस्तेमाल बहुत बढ़ा है। स्मार्टफोन, टैबलेट्स, फोटोवैल्टेक सेल, इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों से लेकर मोबाइल फोन, गुटका, तंबाकू सभी में इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल तो हो ही रहा है क्योंकि चांदी बिजली का सबसे अच्छा संवाहक (गुड कंडक्टर) है। इलेक्ट्रॉनिक चिप में टांके लगाने में भी इसका इस्तेमाल हो रहा है। कुछ मेडिकल उपकरणों में भी इसका इस्तेमाल होता है। इन उद्योगों में चांदी की मांग लगातार बढ़ती ही जा रही है 2024 के पहले चार महीनों में ही भारत ने 2023 के बराबर यानी 4,172 मीट्रिक टन चांदी का आयात कर लिया। इस कारण से इसकी कीमतें बढ़ती जा रही हैं। दिल्ली सदर बाजार के सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष के अनुसार इसकी कीमतों पर कोई अंकुश नहीं है क्योंकि चांदी भी सोने की तरह बाहर से आती है। भारत में अब इसका खनन नहीं होता है। सारा माल खासकर मेक्सिको और पेरु से आता है। इसलिए इसकी कीमतों पर भारतीयों की कोई पकड़ नहीं है। विदेशों में बैठे बड़े अरबपति सटोरिये इसकी कीमतों को ऊपर–नीचे करते रहते हैं।

..... विविध .....

घर में यहां लगाएं 7 घोड़े की तस्वीर, तरक्की की बढ़ेगी रफ्तार

वास्तुशास्त्र में सात घोड़ों वाली तस्वीर को बहुत शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि अगर इसे सही जगह और सही दिशा में लगाया जाए तो यह व्यक्ति के जीवन में खुशियां और सफलता लेकर आती है। लेकिन अगर इस तस्वीर को गलत जगह पर लगाया जाए या कोई गलत तस्वीर लगाई जाए तो इसका विपरीत असर भी हो सकता है। इसलिए, यदि आप घर या ऑफिस में सात घोड़ों की तस्वीर लगाने का सोच रहे हैं तो वास्तु के कुछ खास नियम जानना जरूरी है। इन नियमों का पालन करके आप अपने जीवन की खुशियों और भाग्य को बढ़ा सकते हैं।

कार्यालय में सात घोड़ों की तस्वीर लगाएं

सफेद घोड़े शक्ति, साहस, सफलता और शांति का प्रतीक होते हैं। अगर आप अपने कार्यालय में दौड़ते हुए सात सफेद घोड़ों की तस्वीर लगाते हैं तो इससे आपके व्यवसाय में तरक्की और लाभ मिलने की संभावना बढ़ती है। वास्तु के अनुसार इस तस्वीर को पूर्व दिशा की ओर लगाना चाहिए। तस्वीर को ऐसी दीवार पर लगाएं जो ऑफिस के अंदर की ओर हो। इससे सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और काम में सफलता मिलती है। अगर चाहें तो ऑफिस या घर में घोड़े की नाल भी लगा सकते हैं। यह नाल भी वास्तु में बहुत शुभ माना जाता है और यह भी सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक है।

घर में सात घोड़ों की तस्वीर लगाने का सही स्थान

घर में सात घोड़ों की तस्वीर लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। वास्तु के अनुसार, इस तस्वीर को लिविंग रूम में लगाना बहुत शुभ होता है। इससे घर में होने वाले झगड़े कम होते हैं, परिवार में प्रेम बढ़ता है और वातावरण सुखमय बनता है। साथ ही आर्थिक तंगी दूर होती है और घर में धन की वृद्धि होती है। इससे परिवार के सदस्यों का जीवन सुखी और समृद्ध होता है।

सही दिशा में सात घोड़ों की तस्वीर लगाना आवश्यक

सात घोड़ों की तस्वीर लगाते समय दिशा का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। वास्तुशास्त्र के अनुसार इसे उत्तर या पूर्व दिशा की दीवार पर लगाना शुभ होता है।

उत्तर दिशारू यहां तस्वीर लगाने से जीवन में दरिद्रता दूर होती है और कई प्रकार की परेशानियां खत्म हो जाती हैं।

पूर्व दिशारू पूर्व दिशा में तस्वीर लगाने से भाग्य खुलता है और बुरा वक्त छंट जाता है। इस प्रकार सही दिशा में तस्वीर लगाने से जीवन और करियर में सफलता प्राप्त होती है।

सात घोड़ों की तस्वीर के लिए खास वास्तु नियम

सूर्य का उगता हुआ दृश्यरू तस्वीर खरीदते समय ध्यान दें कि तस्वीर के पीछे उगते हुए सूरज का दृश्य हो। ऐसा बैकग्राउंड शुभ माना जाता है और यह जीवन में नई ऊर्जा और सकारात्मकता लाता है।

बैकग्राउंड में चंद्रमा या समुद्र तटरू तस्वीर के पीछे चंद्रमा या समुद्र तट का होना भी अच्छा माना जाता है। इससे घर के सदस्यों के जीवन में शांति और सफलता आती है।

घोड़े सीधी रेखा में दौड़ते हुएरू तस्वीर में सात घोड़े बिना किसी बाधा के सीधे लाइन में दौड़ते हुए दिखने चाहिए। यह प्रगति और सफलता का प्रतीक होता है।

बच्चों में डायरिया को न करें नजरअंदाज, समय पर करे ये जरूरी इलाज

डायरिया, यानी दस्त की परेशानी, बच्चों में बहुत आम होती है खासकर गर्मी और बरसात के मौसम में। जब किसी बच्चे को बार–बार ढीला, पानी जैसा मल होने लगे तो यह डायरिया होता है। यह तब खतरनाक बन जाता है जब शरीर में पानी और जरूरी मिनरल्स की कमी होने लगे जिसे डिहाइड्रेशन कहा जाता है। बच्चों का शरीर छोटा होता है इसलिए पानी की कमी बहुत जल्दी हो सकती है। यही कारण है कि डायरिया को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। यह किसी अन्य बीमारी या संक्रमण का संकेत भी हो सकता है।

कब चिंता की बात होती है?

कभी–कभी हल्का डायरिया सामान्य होता है, जैसे कि जब बच्चा नई चीजें खाता है या मौसम बदलता है। लेकिन अगर बच्चा दिन में 3–4 बार से ज्यादा पतले दस्त कर रहा है, तो यह चिंता का कारण बन सकता है।

डायरिया के सामान्य कारणरू

गंदा खाना या पानी

हाथ साफ न होना

बोतल या बर्तन साफ न होना

संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आना

खुले में शौच जाना

गंदे खिलौने या चीजें मुंह में डालना

दूध न पच पाना भी हो सकता है कारण

कई छोटे बच्चों को लैक्टोज इन्टॉलरेंस होता है यानी वे दूध ठीक से नहीं पचा पाते। इससे भी डायरिया हो सकता है। इसके अलावा, कभी–कभी नई चीज खाने पर या ज्यादा एंटीबायोटिक दवाएं लेने पर भी दस्त हो सकते हैं। बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होती है, इसलिए वे जल्दी बीमार पड़ सकते हैं।

डायरिया होने पर सबसे जरूरी है दृ पानी और नमक की पूर्ति

जब बच्चा डायरिया से पीड़ित होता है तो उसके शरीर से बहुत सारा पानी, नमक और जरूरी तत्व (इलेक्ट्रोलाइट्स) बाहर निकल जाते हैं। इस स्थिति में सबसे जरूरी है कि बच्चे को ओआरएस (दै) का घोल पिलाया जाए। हर बार दस्त के बाद दै देना चाहिए, ताकि शरीर में पानी और नमक की कमी न हो। छोटे बच्चों को मॉ का दूध जरूर देते रहें, क्योंकि यह पोषण भी देता है और डिहाइड्रेशन से भी बचाता है।

बच्चे को हल्का और आसानी से पचने वाला खाना देना चाहिए, जैसेरू

खिचड़ी

दाल–चावल

केला

सेब की चटनी

दही

भारी, तली–भुनी चीजें या दूध जैसी चीजों से परहेज करें।

अगर बच्चा खाना नहीं चाहता तब भी उसे थोड़ा–थोड़ा खाते रहने को कहें। साथ में खूब सारा साफ पानी, नारियल पानी या नींबू पानी पिलाएं।

साफ–सफाई है सबसे जरूरी

डायरिया से बचाव के लिए साफ–सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

बच्चों को खाने से पहले और टॉयलेट के बाद हाथ धोने की आदत डालें

बोतल, बर्तन और खिलौने रोज साफ करें

साफ और उबला हुआ पानी पिलाएं

बाहर का खाना देने से बचें

खुले में खेलने के बाद भी हाथ जरूर धुलवाएं। साफ–सफाई और सतर्कता से डायरिया से बचा जा सकता है।

नवजात और छोटे बच्चों में डायरिया दृ ज्यादा खतरा

अगर बच्चा 6 महीने से छोटा है, और उसे दस्त हो जाएं, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। इतने छोटे बच्चों में डिहाइड्रेशन बहुत जल्दी हो सकता है और उनका शरीर इसे सह नहीं पाता। समय पर इलाज न मिलने से कमजोरी, वजन कम होना, कुपोषण जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए अगर बच्चे को 24 घंटे से ज्यादा दस्त हों, तो देरी न करें।

कब डॉक्टर से तुरंत मिलना चाहिए?

अगर बच्चा बहुत सुस्त हो जाए, आंखें धंसी हुई लगें, पेशाब कम आए, बार–बार उल्टी हो, खून के साथ दस्त हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डिहाइड्रेशन बढ़ने पर बच्चे को अस्पताल में भर्ती भी करना पड़ सकता है।

डायरिया को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है, खासकर छोटे बच्चों में। सही समय पर दै देना, हल्का खाना, साफ पानी और साफ–सफाई से न केवल इलाज किया जा सकता है, बल्कि इसे रोका भी जा सकता है। सावधानी और सही देखभाल से आपका बच्चा जल्दी ठीक हो सकता है।

डायट में भी लगेंगी बच्चों की क्लास, खुलेगी मॉडल बाल वाटिका

लखनऊ, (संवाददाता)। भावी शिक्षक तैयार करने वाले जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डायट) में अब बच्चों की भी कक्षाएं चलेंगी।

योजना के तहत प्रदेश के सभी 75 डायट में मॉडल बाल वाटिका स्थापित की जाएगी। यहां पांच से छह साल के बच्चों का प्रवेश और पढ़ाई कराई जाएगी। शिक्षा मंत्रालय की पहल पर यह कवायद हो रही है। सभी डायट में डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन (डीएलएड) कोर्स का संचालन हो रहा है। दो वर्षीय यह डिप्लोमा करने वाले युवा शिक्षक बनने के लिए योग्य होते हैं। हाल के दिनों में शिक्षा मंत्रालय की ओर से इन डायट को काफी समृद्ध किया जा रहा है। इसके तहत यहां पर स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब, बिल्डिंग, हॉस्टल आदि अत्याधुनिक सुविधाएं दी जा रही हैं। अब डायट में मॉडल बाल वाटिका के संचालन का निर्णय लिया गया है। यहां पर पांच से छह साल के बच्चों का प्रवेश और पढ़ाई कराई जाएगी। इसका संचालन बाल विकास पुष्टाहार, बेसिक शिक्षा विभाग का राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) मिलकर करेंगे। इस कवायद का दोहरा लाभ होगा। एक तरफ जहां डीएलएड प्रशिक्षुओं को बेहतर प्रशिक्षण के अवसर मिलेंगे, वहीं डायट के शैक्षिक संसाधनों का भी बेहतर प्रयोग होगा। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा की अध्यक्षता में इस संबंध में एक बैठक भी हो चुकी है। जल्द ही इसके लिए अन्य आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। डायट आसपास के आंगनबाड़ी केंद्रों को भी अपने यहां शामिल कर उनका बाल वाटिका के रूप में संचालन कर सकेंगे। बता दें, हाल में कम नामांकन वाले 10827 परिषदीय विद्यालयों का विलय (पेयरिंग) की गई है। खाली हुए विद्यालयों में भी बाल वाटिका चलाने का प्रस्ताव है।

पढ़ाई के लिए आदर्श बनेंगी यह बाल वाटिका

एससीईआरटी के संयुक्त निदेशक डॉ. पवन सचान ने बताया कि समग्र शिक्षा के प्री प्राइमरी प्रकोष्ठ के तहत सभी डायट में मॉडल बाल वाटिका के संचालन की सहमति दी गई है। पहले चरण में इसकी शुरुआत सेंटर ऑफ एक्सीलेंस डायट से किया जाएगा। इससे पठन–पाठन की व्यवस्था बेहतर होगी और डायट के संसाधनों का बेहतर प्रयोग होगा। यह बाल वाटिका संबंधित जिले के लिए आदर्श बनेंगी। इससे अन्य भी इसके अनुसार बाल वाटिका का संचालन कर सकेंगे।

ये 28 डायट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहले चरण में अलीगढ़, आगरा, गोरखपुर, बाराबंकी, कानपुर देहात, जौनपुर, कुशीनगर, मेरठ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, प्रयागराज, वाराणसी व लखनऊ डायट 103 करोड़ से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बन रहे हैं। दूसरे चरण में गाजीपुर, बरेली, गौतमबुद्ध नगर, मथुरा, प्रतापगढ़, भदोही, आजमगढ़, उन्नाव, हाथरस, कानपुर नगर, सुल्तानपुर, फिरोजाबाद, श्रावस्ती, बागपत व कौशांबी डायट शामिल हैं। इन डायट में सेमिनार हॉल, ऑडिटोरियम, स्मार्ट क्लास, छात्रावास, साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग व मैथ्स लैब, सोलर पैनल के लिए 170 करोड़ का बजट स्वीकृत हुआ है।

21 महीने में 24 हजार निवेश एमओयू को धरातल पर उतारने का लक्ष्य

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में करीब 38 लाख करोड़ के एमओयू के बाद उन्हें जमीन पर उतारकर उत्पादन शुरू करने के लिए पहली बार समयबद्ध टारगेट दिया गया है। यूपी में 24000 से ज्यादा निवेश प्रस्ताव आए हैं। इन्वेस्ट

यूपी के 40 अकाउंट्स मैनेजरों को 100–100 एमओयू धरातल पर उतारने का टारगेट दिया गया है जो 100 करोड़ से ऊपर के हैं। वहीं 100 करोड़ से कम 19500 एमओयू को इकाई में बदलने के लिए उद्यमी मित्रों और जीएम– डीआईसी को जिम्मा दिया गया है। सभी को सात तिमाही के अंदर एमओयू को उत्पादन इकाई में तब्दील करने का लक्ष्य तक का लक्ष्य तय किया गया है। जवाबदेही की ये कार्ययोजना सीईओ विजय किरण आनंद ने बनाई है। शीर्ष 200 एमओयू को जमीन पर उतारने की जिम्मेदारी खुद सीईओ और एसीईओ ने उठाई है। साथ ही ये भी कहा गया है कि 26 दिसंबर तक सभी एमओयू को उत्पादन या भूमि पूजन समारोह के लिए तैयार कर लिया जाए।

हर महीने 10 लेटर ऑफ कंफर्ट जारी करने का लक्ष्य

प्रत्येक निवेश एमओयू के लिए एक रिलेशनशिप मैनेजर को भी नियुक्त किया गया है, जो लीड की जरूरतों, चुनौतियों और प्रगति की नियमित निगरानी करता है। निवेश लीड्स के नए स्रोतों के निर्माण के लिए बहु स्तरीय रणनीति पर काम किया जा रहा है। फॉर्च्यून इंडिया 1000, फॉर्च्यून 500 इंडिया और नेक्स्ट 500 की सूची में शामिल 814 कंपनियों को व्यक्तिगत अकाउंट मैनेजरों को सौंपा गया है। इसके अतिरिक्त चीन1 रणनीति के तहत यूएसए (31), जर्मनी (17), जापान (21), चीन (14), फ्रांस, स्विट्जरलैंड, डेनमार्क, यूके और स्पेन जैसी देशों की कंपनियों से संपर्क साधा गया है। यूपी सरकार इन देशों में स्थित भारतीय दूतावासों के माध्यम से प्रत्यक्ष निवेश संवाद भी स्थापित कर रही है। भारत सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत स्वीकृत 574 परियोजनाओं में से 70 प्रोजेक्ट्स उत्तर प्रदेश में सक्रिय हैं। विनिर्माण क्षेत्र में सरकार ने हर महीने 10 लेटर ऑफ कंफर्ट (एलओसी) जारी करने का लक्ष्य रखा है।

संक्षिप्त खबरें

मंत्री दारा सिंह चौहान के जन्मदिन को संकल्प दिवस के रूप में मना रहा चौहान समाज

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री दारा सिंह चौहान के जन्मदिन पर राजधानी लखनऊ में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम चौहान समाज के द्वारा इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान

में किया जा रहा है। इस दिन को संकल्प दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में मंत्री दारा सिंह चौहान के अलावा डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत बड़ी संख्या में चौहान समाज के लोग मौजूद हैं।

सार्वजनिक बैंकों के भरोसे स्टैंडअप इंडिया

लखनऊ, (संवाददाता)। शून्य से व्यवसाय शुरू करने की मंशा रखने वालों के लिए आर्थिक संबल बनी स्टैंडअप इंडिया योजना में लखनऊ प्रदेश और मंडल दोनों स्तरों पर टॉप पर है। बीते 10 वर्षों में सार्वजनिक बैंकों ने 17,845 लाभार्थियों को 2965 करोड़ रुपये का कर्ज देकर योजना को जीवंत बनाए रखा है। जहां सार्वजनिक बैंक योजना को गति दे रहे हैं, वहीं निजी बैंक अब भी संकोच में हैं। सरकार यदि निजी बैंकों की भागीदारी बढ़ाने के उपाय करे, तो योजना और व्यापक असर दिखा सकती है। स्टैंडअप इंडिया के तहत हर बैंक शाखा को एक एससी, एक एसटी और एक महिला उद्यमी को 10 लाख से 1 करोड़ रुपये तक का ऋण देना तय है। लखनऊ में 2024 पात्रों में से 1291 को कुल 242.23 करोड़ रुपये का कर्ज बांटा गया। इसके बाद आगरा और कानपुर नगर का स्थान रहा। सार्वजनिक बैंकों ने अब तक 24,811 पात्रों के कर्ज मंजूर किए, जिनमें से 17,845 को लाभ मिला।

लालबाग में विरोध के बीच हटाया अतिक्रमण

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम व पुलिस की संयुक्त टीम ने बृहस्पतिवार को लालबाग में अतिक्रमण हटवाया। इस दौरान दुकानदारों ने विरोध भी किया। गंदगी करने वालों का चालान भी किया गया। जोन एक के जोनल अधिकारी ओम प्रकाश ने बताया कि जयहिंद कॉम्प्लेक्स के पास वाहनों के पार्ट्स का बड़ा बाजार है। यहां सड़क पर दोपहिया गाड़ियां बनाने का काम होता है, जिससे जाम लगता है। विरोध के बीच सड़क से अतिक्रमण हटवाया गया। दुकानदारों को बताया गया कि सड़क पर गैराज चलाने से जाम लगता है और गंदगी भी होती है। कई दुकानदारों का चालान भी काटा किया।

डाटा अपडेट न होने से फंसा शिक्षामित्रों का समायोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में शिक्षामित्रों के तबादला व समायोजन के निर्देश पूर्व में जारी किए गए हैं। बावजूद इसके इनके डाटा मानव संपदा पोर्टल पर अपडेट न होने से समायोजन की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पा रही है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने इस पर सभी बीएसए से नाराजगी जताई है। साथ ही समय से डाटा अपडेट न करने पर कार्रवाई के लिए भी चेताया है। छह जिलों को छोड़कर अन्य जिलों के बीएसए से उन्होंने कहा है कि जून में जारी निर्देश के क्रम में शिक्षामित्रों के नाम, पहली तैनाती वाले विद्यालय, वर्तमान में कार्यरत विद्यालय, जन्मतिथि आदि से जुड़ी जानकारी मानव संपदा पोर्टल पर अपडेट किए जाने के निर्देश जून में दिए गए थे। हाल में की गई ऑनलाइन समीक्षा बैठक में पता चला है कि कुछ ही जिलों में यह कार्य किया गया है। उन्होंने कहा है कि यह अधिकारियों के आदेशों–निर्देशों का उल्लंघन और विभागीय दायित्व के प्रति उदासीनता है। उन्होंने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यह प्रक्रिया हर हाल में 30 जुलाई तक पूरी की जाए। इसकी सूचना राज्य परियोजना कार्यालय को भी भेजी जाए। इसके बाद कोई भी अपडेट स्वीकार नहीं किया जाएगा। साथ ही भविष्य में किसी तरह की कमी मिलने पर संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई भी की जाएगी।

एक सप्ताह में प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने के निर्देश

इसी क्रम में उन्होंने उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अंशकालिक अनुदेशकों के डाटा का भी सत्यापन व परीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि अनुदेशकों का जिले के अंदर ही नए विद्यालय में अनुबंध की कार्यवाही की जानी है। पहले व दूसरे चरण के बाद तीसरे चरण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए मानव संपदा पोर्टल पर डाटा अपडेट व सत्यापन करने का प्रमाणपत्र एक सप्ताह में उपलब्ध कराने को कहा है।

बसंतकुंज योजना में 307 आवेदकों को मिले पीएम आवास

लखनऊ, (संवाददाता)। बसंतकुंज योजना के एक हजार प्रधानमंत्री आवासों के आवंटन के लिए एलडीए ने बृहस्पतिवार से लॉटरी शुरू की। यह शनिवार तक चलेगी। बृहस्पतिवार को 307 आवेदकों को आवास मिले। इन पीएम आवासों के लिए 9,238 लोगों ने दो वर्ष पहले आवेदन किया था। जांच के बाद इनमें से 7,784 आवेदक पात्र पाए गए। बृहस्पतिवार को सभी वर्गों के दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक व एससी, एसटी आवदेकों की लॉटरी निकाली गई। शुक्रवार को अन्य पिछड़ा वर्ग व शनिवार को सामान्य वर्ग के आवेदकों को पीएम आवास का आवंटन किया जाएगा। योजना में बनाए गए प्रधानमंत्री आवास 34 वर्ग मीटर के और चार मंजिला हैं। एक मकान की कीमत 4.79 लाख रुपये है। इनके आवंटन के लिए इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मर्करी हॉल में लॉटरी हुई।

संक्षिप्त खबरें

जिस जांच में लगते थे तीन दिन, अब छह घंटे में आएगी रिपोर्ट

लखनऊ। आईसीयू, वेंटिलेटर पर भर्ती मरीज को बैक्टीरिया आसानी से गिरफ्त में ले लेते हैं। इनमें एंटीबायोटिक प्रतिरोध भी पैदा हो जाता है। ऐसे में मरीज को सटीक इलाज देने के लिए बैक्टीरिया की प्रजाति व एंटीबायोटिक प्रतिरोध का पता लगाना जरूरी होता है। केजीएमयू के क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग में लगाई गई नई मशीन से अब छह घंटे में इसका पता लगाया जा सकेगा। बृहस्पतिवार को प्रेसवार्ता में विभाग के प्रमुख डॉ. अविनाश अग्रवाल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभी तक पीसीआर (पॉलीमरेज चेन रिएक्शन) विधि से मॉलीक्यूलर टेस्ट फॉर बैक्टीरियल आइडेंटिफिकेशन एंड रजिस्टेंट जांच नहीं होती थी। कल्चर विधि से जांच में 72 घंटे (तीन दिन) लगते थे। इससे गंभीर मरीजों का इलाज प्रभावित होता था। अब विभाग में ही जांच की सुविधा शुरू कर दी गई है। नई मशीन से अब तक 800 मरीजों की जांच हो चुकी है। केजीएमयू में सोसाइटी ऑफ प्रीसीजन मेडिसिन एंड इंटेंसिव केयर भारत की ओर से शुक्रवार को कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इसमें दुनिया भर से 800 से ज्यादा डॉक्टर शिरकत करेंगे। इसका शुभारंभ कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद करेंगी।

हाईटेंशन लाइन टूटने से 100 गांव की बत्ती गुल

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के प्रयागराज रोड पर स्थित मोहनलालगंज क्षेत्र के 100 गांव की शुक्रवार सुबह 8रू30 बजे बिजली गुल हो गई। यह बिजली संकट हाईटेंशन 33000 वोल्ट की लाइन टूटने से उत्पन्न हुआ था। बिजली गुल पर बवाल होता उससे पहले कर्मचारियों ने टूटी लाइन को जोड़कर करीब डेढ़ घंटे में डेढ़ लाख आबादी को बिजली संकट से राहत दी। मुख्य अभियंता रजत जुनेजा के अनुसार ट्रांसमिशन उपकेंद्र पीजीआई से मोहनलालगंज उप केंद्र को आने वाली ओवरहेड लाइन का तार खुजहट्टा गांव के पास तकनीकी खामियों के कारण टूट गया था, जिसे करीब सुबह 10रू00 बजे ठीक कर दिया गया है। इससे कस्बा मोहनलालगंज, मऊ, सिसेण्डी, गौरा, इमलिहाखेडा, उत्तरगॉव, मीनापुर, केसरीखेडा, गनियार, महेश खेडा, हीरालालखेडा, हरीखेडा, मनोहरापुर, सुल्सामऊ, हिलगी, भदेसुआ, तिलोकपुर, मीनापुर, रानी सुभद्रा खेडा, शंकर खेडा, ललूमर आदि की बिजली प्रभावित रही।

सीएम ग्रिड योजना का काम पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर भी देखेंगे

लखनऊ, (संवाददाता)। सीएम ग्रिड योजना के काम अब पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर भी देखेंगे। नगर निगम में इंजीनियरों की कमी के कारण नगर विकास विभाग के संयुक्त सचिव कल्याण बनर्जी ने इसका आदेश जारी किया है। सीएम ग्रिड योजना के तहत सात सड़कों को पूरी तरह से स्मार्ट बनाया जा रहा है। इस पर 186 करोड़ रुपये खर्च होंगे। काम की बेहतर निगरानी के लिए शासन ने पीडब्ल्यूडी के सहायक और अवर अभियंता को नगर निगम में संबद्ध करने का आदेश जारी किया है। पूरे शहर में 110 वार्ड हैं। यहां विकास कार्यों कराने व उनकी निगरानी की जिम्मेदारी अवर अभियंताओं की है, लेकिन इनकी कमी है। इस समय 15 अवर अभियंता ही हैं, जिनमें से दो का तबादला होना है। हर जोन में दो अवर अभियंता भी नहीं हैं।

जीएसटी विभाग की मनमानी पर भड़के व्यापारी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के व्यापारियों ने जीएसटी विभाग की मनमानी के विरोध में बृहस्पतिवार को गोमतीनगर स्थित राज्य कर आयुक्त कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। अपर आयुक्त सुनील वर्मा को आठ सूत्री मांगपत्र भी सौंपा। लखनऊ इकाई के अध्यक्ष अमरनाथ अग्रवाल, महामंत्री योगेंद्र सिंह के नेतृत्व में व्यापारियों ने विरोध जताया। कोषाध्यक्ष धर्मपाल अग्रवाल ने बताया कि जीएसटी के नोटिस ईमेल से भेजे जाते हैं। जो व्यापारी समय से इन्हें नहीं देख पाता, उनके खाते सीज कर दिए जाते हैं। व्यापारी अपील भी नहीं कर पाते। मागं की गई कि जीएसटी कंपोजिशन स्कीम को 40 लाख से 80 लाख किया जाए। सर्विस प्रदाता एजेंसी को 20 लाख तक के कारोबार में जीएसटी की छूट दी गई है, जिसकी सीमा 40 लाख की जाए। कहा कि अधिकारी अपना गुडवर्क दिखाने के लिए व्यापारियों का उत्पीड़न कर रहे हैं। व्यापारियों की ओर से मांग की गई कि मंजन, खाद्य तेल, साबुन आदि को जीएसटी से मुक्त किया जाए। बताया कि ई–वे बिल की मानवीय त्रुटि पर गाड़ियों को रोककर पेनाल्टी लगाई जाती है। अपर आयुक्त से कहा कि विभाग समय–समय पर कार्यशाला चलाकर व्यापारियों को जागरूक करे। उन्होंने मांगों का निस्तारण करने व जल्द कार्यशाला करवाने का आश्वासन दिया। युवा अध्यक्ष संजय जायसवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंद अग्रवाल, प्रमिला जायसवाल, श्याम मिश्रा, अभय उपाध्याय, सनी सिंह, विवेक अग्रवाल, मंगलेश मिश्रा, प्रदीप सोनकर, सुशील जायसवाल, राहुल सिंह, प्रवीन खंडेलवाल, रमेश अग्रवाल आदि व्यापारी मौजूद रहे।

नैक ए प्लस–प्लस ग्रेड के लिए केजीएमयू में शुरू होगा निरीक्षण

लखनऊ, (संवाददाता)। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की ग्रेड में सुधार के लिए कमर कस ली है। विश्विद्यालय में सोमवार से नैक के निरीक्षण की शुरुआत होगी। वर्ष 2023 में हुई ग्रेडिंग में केजीएमयू को नैक ए प्लस ग्रेड मिला था। केजीएमयू इससे बेहतर रैंक की उम्मीद लगाए बैठा था। वर्तमान कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने ग्रेड में सुधार के लिए दोबारा आवेदन किया। कुलपति के मुताबिक केजीएमयू नैक ए प्लस ग्रेड से बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। इसलिए पुर्नमूल्यांकन के लिए आवेदन किया गया है। सोमवार से निरीक्षण की शुरुआत होगी। पिछली बार केजीएमयू को स्टूडेंट एक्टिविटी और शोध में कम नंबर मिले थे। उस समय यह भी कहा गया था केजीएमयू अपने सभी शोध नहीं बता सका था। अब इनको व्यवस्थित करके आवेदन किया गया है। केजीएमयू में इस समय एशिया में सबसे ज्यादा 4,500 बेड हैं। इस लिहाज से यह एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल है। संस्थान में 149 छोटे–बड़े भवन हैं। यहां 77 विभागों का संचालन हो रहा है। 550 शिक्षक, 800 रेजिडेंट डॉक्टर और लगभग 10 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं। कोविड–19 महामारी के दौरान देश में सबसे ज्यादा मरीजों का इलाज और सबसे ज्यादा बेड क्षमता होने का रिकॉर्ड भी केजीएमयू ने बनाया था। महामारी के दौरान सबसे ज्यादा टेस्ट करने का कीर्तिमान भी संस्थान के नाम है। टेलीमेडिसिन में अच्छे प्रदर्शन के लिए केजीएमयू की डॉक्टर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने हाथों से सम्मानित किया जा चुका है।

स्वच्छता में नंबर वन बनने के संकल्प के साथ निगम निगम ने निकाली तिरंगा यात्रा

लखनऊ, (संवाददाता)। स्वच्छता सर्वेक्षण में शहर को देश में तीसरा स्थान मिलने के बाद पहले स्थान पर आने के लिए नगर निगम की ओर से शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए शुक्रवार सुबह तिरंगा यात्रा निकाली। महापौर सुषमा खर्कवाल की अगुवाई में लालबाग में नगर निगम मुख्यालय से शुरू हुई यात्रा हजरतगंज और कैपिटल तिराहा होते हुए वापस नगर निगम मुख्यालय पर संपन्न हुई। यात्रा नगर निगम मुख्यालय से शुरू हुई और मेफेयर तिराहा, हजरतगंज चौराहा विधानसभा मार्ग पर भाजपा कार्यालय से होते हुए नगर निगम मुख्यालय वापस आई।

महिला को डिजिटल अरेस्ट कर 47 लाख ठगने वाले तीन गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। फर्जी सीबीआई अफसर बनकर महिला को डिजिटल अरेस्ट कर 47 लाख हड़पने के तीन आरोपियों को साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार यादव के मुताबिक 18 जुलाई को रीता भसीन ने साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया था।

इंस्पेक्टर ने बताया कि पड़ताल के दौरान सुल्तानपुर के बल्दिराय डेंगुर तिवारी निवासी अनुराग तिवारी, रायबरेली के जवाहर विहार कॉलोनी निवासी प्रखर प्रताप सिंह और अंबेडकरनगर आईटीआई कॉलोनी निवासी अनुपम सिंह को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों ने रीता को फोन कर कहा था कि उनके मोबाइल नंबर और आधार का इस्तेमाल अवैध गतिविधियों में किया गया है। इस मामले में उनके खिलाफ मुंबई के अंधेरी ईस्ट थाने में एफआईआर दर्ज है। इसके बाद आरोपियों ने वीडियो कॉल कर जेल भेजने की धमकी दी थी। इसके बाद फर्जी अरेस्ट वारंट भेजकर रीता से 47 लाख रुपये हड़प लिए थे। पुलिस ने केस दर्ज कर सर्विलांस की मदद से पड़ताल की। इसके बाद जिन नंबरों से फोन आए थे, उनका ब्योरा निकाला। फोन नंबर के जरिये आरोपियों के बारे में जानकारी मिली, जिसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि लोगों को झांसे में लेने के बाद वे वीडियो कॉल पर बात करते हैं। इसके लिए उन्होंने थाने जैसा सेटअप बनाया था। पुलिस की वर्दी भी सिलवाई थी। वीडियो कॉल पर वे वर्दी में ही बात करते थे। इससे लोगों को उनपर शक नहीं होता था। आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन, 14 डेबिट कार्ड और सात चेकबुक बरामद किए गए हैं। आरोपी लोगों को डिजिटल अरेस्ट करने की बात कहते थे। इसके बाद रकम हड़पने तक लोगों को अपने सामने स्काइप या अन्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिखने पर मजबूर करते थे। झांसे में आकर लोग खुद को कमरे में बंद कर लेते थे। पीड़ितों को घर से बाहर नहीं जाने की धमकी देते थे। डर के मारे लोग किसी से अपनी बात नहीं कह पाते थे और ठगी के शिकार हो जाते थे। इंस्पेक्टर ने बताया कि छानबीन के दौरान साइबर ठगों के पांच खातों में जमा 10.5 लाख रुपये फ्रीज करा दिए गए। यह रकम महिला को वापस दिलाई जाएगी। आरोपियों ने फर्जी नाम–पते से खाते खुलवाए थे। गिरोह में शामिल अन्य लोगों के बारे में पता लगाया जा रहा है। माना जा रहा है कि आरोपियों ने कुछ लोगों से किराये पर बैंक खाते लिए थे। इन लोगों के नाम भी केस में बढ़ाकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चुनाव में खपाने ले जा रहे थे शराब, दो आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। राजस्थान से शराब की तस्करी कर बिहार चुनाव में खपाने ले जा रहे दो आरोपियों को पीजीआई पुलिस ने बुधवार रात एक बजे डलौना रेलवे क्रॉसिंग के पास से गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से कूटरचित नंबर प्लेट लगी पिकअप व 18 लाख रुपये की 162 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई है। डीसीपी दक्षिणी निपुण अग्रवाल के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी राजस्थान के जयपुर का रहने वाला सोनू बागरिया और सीताराम बागरिया है। बुधवार रात करीब एक बजे पीजीआई पुलिस और सर्विलांस टीम को सूचना मिली थी कि डलौना रेलवे क्रॉसिंग के पास किसान पथ की सर्विस लाइन पर शराब लदी पिकअप खड़ी है। मौके पर पहुंची पुलिस को पिकअप में सोनू और सीताराम बैठे मिले। तलाशी लेने पर पुलिस को पिकअप में कैरट से बने कैबिनेट पड़े मिले, जिसके नीचे शराब छिपाकर रखी गई थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को पिकअप के साथ गिरफ्तार कर लिया। जांच में पुलिस को पता चला कि पिकअप में नंबर प्लेट फर्जी था, जिसका रजिस्ट्रेशन टोंग निवासी प्रधान के नाम पर था। इंस्पेक्टर पीजीआई ध्रीरेंद्र कुमार सिंह के मुताबिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि जयपुर निवासी कमल शरण उन्हें तस्करी के लिए शराब और गाड़ी देता है। इसके लिए वह हर चक्कर पर प्रति व्यक्ति सात हजार रुपये देता है। पिछले आठ माह से वे अलग–अलग गाड़ियों में शराब की पेटियां लादकर जयपुर से आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे के रास्ते बिहार के हाजीपुर पहुंचा रहे थे। तस्करी के आरोपियों ने बताया कि शराब की तस्करी से पहले उसकी बोतल में लिखी एमआरपी मिटा दी जाती है। बिहार में शराबबंदी के कारण वहां तस्करी की गई शराब एजेंट तीन गुना दाम पर बेचते हैं।

'शिक्षक के स्थानांतरण पर दी गई भावभीनी विदाई'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' कस्बे के सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज के सहायक खेल शिक्षक (शारीरिक शिक्षा) अनिल कुमार यादव के स्थानांतरण पर कालेज परिसर में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। शिक्षा विभाग द्वारा अंतर जिला स्थानांतरण नीति के तहत खेल शिक्षक अनिल कुमार यादव का स्थानांतरण उनके गृह जनपद जौनपुर किया गया। कालेज परिवार द्वारा आयोजित विदाई सह सम्मान समारोह की अध्यक्षता प्रधानाचार्य डॉ वेदप्रकाश द्विवेदी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उनके उत्कृष्ट कार्यों एवं विद्यालय के प्रति समर्पण व योगदान को सभी ने सराहा। इस दौरान कालेज के प्रधानाचार्य डॉ वीपी द्विवेदी एवं प्रधान लिपिक अम्बरीष कुमार भदौरिया ने अनिल कुमार यादव को पुष्प माला पहनाकर एवं अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही कालेज के अन्य शिक्षक एवं कर्मचारियों ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित कर उनके स्वस्थ रहने एवं लंबी आयु की कामना के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इतिहास प्रवक्ता विनोद प्रताप वर्मा ने विदाई सम्मान समारोह के अवसर पर यादव जी के संबंध में बताया कि कॉलेज में अनुशासन के प्रति सदैव जागरूक रहने वाले मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण अति शालीन छात्रध्छात्राओं के दिलों पर राज करने एवं उनके शैक्षिक भावों को भली भांति परखने की क्षमता एवं शिक्षकों के प्रति सहयोग की भावना रखने वाले खेल शिक्षक अनिल कुमार यादव के जाने से विद्यालय परिवार दुःखी है लेकिन साथ ही खुशी इस बात की है कि वह अपने घर पहुंच गए हैं। अपने घर पहुंच कर वे अपने दायित्वों का निर्वहन भली भांति कर सकेंगे। विनोद प्रताप वर्मा ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंग्रेजी शिक्षक अरुण कुमार वर्मा ने भी उनके व्यक्तित्व एवं उनके कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आपको बता दें कि अनिल कुमार यादव ने अपने गृह जनपद जौनपुर में 2013 से 2020 तक बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षक के पद पर कार्य किया। इस दौरान जौनपुर में शिक्षक संगठन के जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर कार्य करते हुये उच्च पद की तैयारी करते रहे। 19 अक्टूबर 2020 को अनिल कुमार यादव ने जनपद हरदोई के कस्बा पाली में स्थित सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज में सहायक खेल शिक्षक के पद पर नियुक्ति ली। उक्त कालेज में लगभग 4 वर्ष 8 माह तक सेवा देने के बाद जुलाई के प्रथम सप्ताह में आपका स्थानांतरण गृह जनपद जौनपुर हो गया। अनिल कुमार यादव का स्थानांतरण वाराणसी मंडल के जनपद जौनपुर की तहसील केराकत के अंतर्गत इण्टर कालेज सेनापुर में हो गया है। इस अवसर पर अनिल कुमार यादव ने समस्त स्टॉफ का आभार व्यक्त किया।

स्टडी हॉल का तीसरा डेमोक्रेटिक सिटिजनशिप फेस्टिवल जोश और विचारों के संग हुआ सफल समापन

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। स्टडी हॉल स्कूल, गोमती नगर में दो दिवसीय डेमोक्रेटिक सिटिजनशिप फेस्टिवल सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह अनोखा अंतर–विद्यालयीय कार्यक्रम शिक्षा के केंद्र में लोकतांत्रिक मूल्यों को लाने का प्रयास करता है। दो दिनों तक चले इस उत्सव में लखनऊ, वाराणसी, बरेली और गुरुग्राम के 15 स्कूलों के 180 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में बहस, रचनात्मक प्रस्तुतियों और विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों ने लोकतंत्र की भावना को जीवंत किया। लखनऊ के प्रमुख स्कूलों में एमआर जयपुरिया, एआर जयपुरिया, अरविंद एकेडमी, जीडी गोयंका, महाराजा अग्रसेन स्कूल, स्कॉलर होम, मॉडर्न एकेडमी, प्रेरणा बॉयज, प्रेरणा गर्ल्स और विद्यास्थली शामिल रहे। वहीं बाहर से सनबीम वरुणा और सनबीम लहरतारा (वाराणसी), चिक्कार इंटरनेशनल स्कूल (बरेली) और विद्या स्कूल (गुरुग्राम) के छात्रों ने भाग लिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (छम्च) के मूल्यों पर आधारित इस उत्सव में विभिन्न विषयों को लोकतांत्रिक सोच के साथ जोड़ते हुए रचनात्मक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनका उद्देश्य संवाद, रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना था।

अंतिम दिन की मुख्य आकर्षण प्रस्तुतियों में शामिल थे दृ ष्डांस ऑफ डेमोक्रेसीष, एक रचनात्मक प्रस्तुति जो नृत्य के माध्यम से लोकतांत्रिक विषयों को दर्शाती हैय षसिविटसरू वी द पीपलष, एक गतिशील सामाजिक विज्ञान कार्यक्रम जिसने बहस, सहयोग और समस्या–समाधान को प्रोत्साहित कियाय और ष्चेन रिएक्शन 2.0ष, एक कार्यक्रम जिसने वैज्ञानिक विचारों को वास्तविक सामाजिक–आर्थिक चुनौतियों से जोड़ने के महत्व को खोजा।

समापन समारोह में बोलते हुए प्रधानाचार्य मीनाक्षी बहादुर ने कहा, ष्इन दो दिनों में, विद्यार्थियों ने न केवल अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में सीखा, बल्कि उनका अभ्यास भी किया, उनका निर्वहन किया और उन्हें जीया।ष

कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। स्टडी हॉल स्कूल द्वारा विशेष रूप से आयोजित यह उत्सव अनुभवात्मक शिक्षा और नागरिक सहभागिता के महत्व को रेखांकित करता है और छात्रों को संवेदनशील, सक्रिय और जागरूक नागरिक बनने के लिए तैयार करता है।

कारगिल विजय दिवस पर लायंस क्लब क्षितिज द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन शहीदों को समर्पित हुआ 'रक्तदान' का पुनीत कार्य

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कारगिल विजय दिवस' के अवसर पर लायंस क्लब क्षितिज द्वारा आईएमए ब्लड बैंक में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों और स्थानीय नागरिकों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और रक्तदान कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। संस्थाध्यक्ष 'लायन अतुल सिंह' ने कहा, "इस शिविर का आयोजन हमारे देश के वीर शहीदों की स्मृति में किया गया है। आज हम जिस खुली हवा में सांस ले रहे हैं, वह उन्हीं की कुर्बानियों का परिणाम है। हमें उन्हें कभी नहीं भूलना चाहिए और उनके जीवन से प्रेरणा लेकर देश हित में कार्य करना चाहिए।" संस्थापक अध्यक्ष 'लायन शशांक सिंह श्रानूश' ने रक्तदान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, "रक्त का कोई विकल्प नहीं है, यह केवल एक–दूसरे के सहयोग से ही संभव है। हर व्यक्ति को कम से कम साल में एक बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए, विशेषकर जब रक्त की

उपलब्धता में कमी हो रही हो।" पूर्व 'अध्यक्ष लायन प्रदीप सिंह' ने कहा कि "कारगिल विजय दिवस न केवल हमारे शहीदों के बलिदान को याद करने का दिन है, बल्कि समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने का भी अवसर है। रक्तदान एक महान कार्य है जो न केवल जीवन बचाता है, बल्कि मानवीय मूल्यों की मिसाल भी पेश करता है।" इस अवसर पर 'शशांक सिंह रानू, अतुल सिंह, जैकी साहू, विष्णु सहाय, आशीष चौरसिया, अजीत सोनकर, डॉ. चंदन नाथ गुप्ता, अभिषेक गुप्ता शशम्मीश, दिलीप जायसवाल, विशाल बरनवाल, चेतना साहू, मृदुला सिंह, अंजनी प्रजापति, शरद टंडन, यश सिंह, निखिल सिंह, अभिषेक गुप्ता' सहित कुल '25' लोगों ने रक्तदान किया। शिविर में विशेष उपस्थिति रही पूर्व अध्यक्ष दिलीप सिंह, धर्मेंद्र सेठ, कोषाध्यक्ष सुनील कन्नौजिया, देव आनंद, आराधना सिंह, सुषमा सोनकर आदि की। आयोजन को सफल बनाने में क्लब के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। लायंस क्लब क्षितिज का यह प्रयास शहीदों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम बना, जिसने समाज में सेवा और समर्पण का संदेश दिया।

कारगिल विजय दिवस पर शहीद आबिद खां की मजार पर अर्पित किए श्रद्धा सुमन

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

कारगिल विजय पर हरदोई जिले के शहीद आबिद खां को याद किया गया, पाली कस्बा स्थित उनकी मजार को भव्य तरीके से सजाया गया है, यहां अधिशाषी अधिकारी कृष्ण कुमार सोनकर, सभासदों, नगर पंचायत कर्मचारियों सहित तमाम लोग पहुंचे और आबिद खां की शहादत को सलाम किया। सभी ने शहीद आबिद की मजार पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। ज्ञात हो कि पाली कस्बा निवासी गफ्फार खां के पुत्र आबिद खां ने कारगिल युद्ध के दौरान दुश्मनों को अपनी बहादुरी का लोहा मनवाया था और 1 जुलाई 1999 को 17 पाक घुसपैठियों को अपनी गोली का शिकार बनाने के बाद मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। आबिद खां का जन्म 6 मई सन् 1972 को हुआ था। उनके पिता गफ्फार खां किसान थे और मां नत्थन बेगम गृहणी, वह 5 फरवरी 1988 को सेना में भर्ती हुए। कारगिल युद्ध के दौरान आबिद खां ने टाइगर हिल पर पाकिस्तानी घुसपैठियों को अपने पराक्रम का लोहा मनवाया और 17 घुसपैठियों को खत्म कर दिया, युद्ध के दौरान एक गोली आबिद खां को लगी, जिससे वह वीरगति को प्राप्त हुए। आज पूरा देश 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को याद कर रहा है। शनिवार को शहीद आबिद खां की मजार पर पहुंचे नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार सोनकर ने श्रृद्धासुमन अर्पित कर किए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के एकमात्र कार गिल शहीद आबिद खां ने पाली कस्बा सहित जिले का नाम रोशन किया, उनकी शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता। आबिद खां के बलिदान को याद कर आज की युवा पीढ़ी को राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा मिलेगी। ईओ ने शहीद आबिद खां के परिजनों से भी मुलाकात की और उनका हाल–चाल जाना। नगर पंचायत कर्मियों द्वारा आबिद खां की मजार को बेहतरीन तरीके से सजाया गया है, फूलों की लड़ियों और गुब्बारों से मजार को सजाने का काम शुक्रवार से ही शुरू हो गया था। नगर पंचायत के वरिष्ठ लिपिक राकेश दीक्षित बबलू, नक्शा नवीस अब्दुल सलाम, सऊद खां, अतुल बाजपेई, श्याम जी अग्निहोत्री, गौरव मिश्रा, पुनीत त्रिवेदी, अम्बरीष, अमित शुक्ला एवं वार्ड सभासदों व अन्य तमाम लोगों ने शहीद की मजार पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

शिक्षा की गुणवत्ता एवं उत्तरदायित्व में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : डॉ गोरख नाथ

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर– जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर डॉ. गोरखनाथ पटेल द्वारा विकासखंड सिकरारा, मछलीशहर एवं महराजगंज के परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षक उपस्थिति, छात्रों की उपस्थिति, मध्यान्ह भोजन की स्थिति एवं भौतिक संसाधनों की वास्तविक स्थिति का प्रत्यक्ष मूल्यांकन करना था। कंपोजिट विद्यालय मानसाहपुर, सिकरारा का निरक्षण जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रारंभ हुआ। सर्वप्रथम कंपोजिट विद्यालय मानसाहपुर में बीएसए द्वारा प्रार्थना सभा आयोजित कराई गई। विद्यालय में प्रभारी प्रधानाध्यापक श्री अशोक कुमार, सहायक अध्यापक श्री राजेन्द्र प्रताप सिंह एवं श्री शैलेश कुमार सिंह निरीक्षण के समय अनधिकृत रूप से अनुपस्थित पाए गए। उनका निरीक्षण तिथि का वेतन अवरुद्ध कर दिया गया। श्रीमती मंजुला मौर्य एवं श्री राजन सिंह 8:05 पर विद्यालय में उपस्थित हुए, जिन्हें कारण बताओ नोटिस निर्गत की गई। विद्यालय में स्वच्छता की कमी, टूटे हैंडवॉश, क्षतिग्रस्त झूला, तथा 84 नामांकित छात्रों में केवल 30 की उपस्थिति पाई गई। विद्यालय में प्राप्त उक्त गंभीर कमियों के कारण प्रभारी प्रधानाध्यापक का वेतन अग्रिम आदेश तक रोका गया, एवं सभी कमियों के सुधार हेतु साक्ष्य सहित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। विद्यालय परिसर में जर्जर भवन चिन्हांकित कर उसे हटानेध्प्रयोग से वर्जित करने हेतु संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया। कंपोजिट विद्यालय डमरूआ, सिकरारा' का निरीक्षण समयरू 8:45 बजे किए जाने पर शैलेन्द्र कुमार सिंह, अरविंद कुमार सिंह (सहायक अध्यापक) एवं वरुण कुमार (अनुदेशक) अनधिकृत रूप से अनुपस्थित मिले। उनका वेतनध्मानदेय अवरुद्ध किया गया। विद्यालय में 308 में से 154 छात्र उपस्थित थे।75,000 की कंपोजिट धनराशि का आय–व्यय विवरण अद्यतन नहीं पाया गया। संबंधित प्रधानाध्यापक को सभी कमियों के सुधार हेतु निर्देशित किया गया। प्राथमिक विद्यालय सकलदेलहा सिकरारा का निरीक्षण समय 9:45 बजे किए जाने पर विद्यालय की समस्त व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। केवल छात्र उपस्थिति बढ़ाने हेतु निर्देश दिए गए। प्राथमिक विद्यालय विश्वपालपुर (मछलीशहर) का निरीक्षण समय 10:05 बजे किए जाने पर विद्यालय में गुंबदाकार भवन प्रयोग में नहीं उपयोग किए जाने के संबंध में प्रधानाध्यापक एवं खंड शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि उक्त भवन की स्थिति के संबंध में आवश्यक कार्रवाई तत्काल प्रभाव से की जाए। प्राथमिक विद्यालय पोखरा (महराजगंज) के निरीक्षण में विद्यालय में सभी शिक्षक उपस्थित, 116 नामांकित में से 101 छात्र उपस्थित मिले। विद्यालय स्वच्छ, एमडीएम मीनू के अनुसार, पंक्तिबद्ध भोजन व्यवस्था, रंगाई–पुताई उत्तम एवं टीएलएम का प्रभावी प्रयोग किया जा रहा था। कक्षा 5 के छात्र से गणित के प्रश्न पूछे जाने पर छात्र द्वारा प्रश्नों का सही उत्तर दिया गया। बीएसए द्वारा प्रधानाध्यापक सहित समस्त स्टाफ की खुले मंच पर प्रशंसा की गई। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल द्वारा 'कंपोजिट विद्यालय कठार, महराजगंज' का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में कार्यरत समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित पाए गए। विद्यालय में कुल 113 नामांकित छात्रों में से 75 छात्र उपस्थित मिले। मध्यान्ह भोजन योजना माह के निर्धारित मीनू के अनुसार संचालित पाया गया। निरीक्षण के समय विद्यालय परिसर में एक जर्जर भवन पाया गया। सुरक्षा की दृष्टि से बीएसए डॉ. पटेल द्वारा खंड शिक्षा अधिकारी महराजगंज एवं जिला समन्वयक (निर्माण) को स्थल पर ही भवन के चिन्हांकन एवं तकनीकी मूल्यांकन हेतु तत्काल कार्यवाही प्रारंभ करने तथा आगे की आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। 'निरीक्षण के दौरान ग्राम प्रधान भी विद्यालय में उपस्थित मिले। शिक्षा के प्रति उनके सकारात्मक रुझान एवं सक्रिय सहयोग को देखते हुए, संबंधित प्रधानाध्यापक को उनके साथ समन्वय बनाकर विद्यालय विकास के लिए कार्य करने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।' डॉ. गोरखनाथ पटेल ने स्पष्ट कहा कि षशिक्षा की गुणवत्ता एवं उत्तरदायित्व में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जहाँ लापरवाही मिलेगी, वहाँ कार्रवाई होगी, और जहाँ समर्पण व गुणवत्ता दिखेगी, वहाँ सम्मान भी मिलेगा।

कोतवाली देहात की चहारदीवारी का हुआ लोकार्पण

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज जिलाधिकारी अनुनय झा व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने कोतवाली देहात में नवनिर्मित चारदीवारी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख बावन धर्मेंद्र सिंह व खंड विकास अधिकारी बावन डॉ राम प्रकाश उपस्थित रहे। पुरोहित के मंत्रोच्चार के बीच चहारदीवारी का लोकार्पण किया गया। जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक व ब्लाक प्रमुख ने शिलापट का अनावरण किया। जिलाधिकारी ने कहा की चहारवारी के बन जाने से देहात कोतवाली को एक नया लुक मिला है तथा सुरक्षा की दृष्टि

से कोतवाली की स्थिति बेहतर हुई है। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने कहा की चहारदीवारी के बन जाने से कोतवाली को एक नया स्वरूप मिला है। जिला अधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने सुंदर चहारदीवारी के निर्माण के लिए ब्लॉक प्रमुख बावन व खंड विकास अधिकारी बावन को धन्यवाद दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में यदि किसी अन्य कोतवाली की चहारदीवारी अब तक नहीं बन पाई है तो उसको भी बनाने की कार्रवाई जल्द प्रारंभ की जाए। इस अवसर पर उपायुक्त मनरेगा रवि प्रकाश व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

महिलाओं को समाज में आगे आना होगा श्रीमती शशिकला श्रीवास्तव प्रदेश संरक्षक

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 7235 उत्तर प्रदेश महिला शाखा की प्रदेश अध्यक्ष सुश्री साक्षी श्रीवास्तव जी ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश कुमार श्रीवास्तव, प्रदेश अध्यक्ष दिनेश चन्द श्रीवास्तव दीनू भईया जी से विचार विमर्श कर उत्तर प्रदेश में महिला शाखा टीम को मजबूत करने के लिए प्रदेश संरक्षक पद पर श्रीमती शशिकला श्रीवास्तव एवं प्रदेश महासचिव श्रीमती निशा श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सुमति श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती ज्योति श्रीवास्तव, को मनोनीत किया है और प्रदेश अध्यक्ष महिला शाखा सुश्री साक्षी श्रीवास्तव (पूर्व अध्यक्ष स्वामी सहजानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर) ने कहा कि कायस्थ महासभा 7235 उत्तर प्रदेश महिला शाखा संगठन उत्तर प्रदेश में नंबर वन संगठन बनाना है और मुझे विश्वास है कि समस्त नारी शक्ति एक जुट होकर अपने समाज को एक नई दिशा और प्रगति की ओर ले जाने का कार्य करेगी हमारा उद्देश्य अपने समाज के लोगों को अधिक से अधिक जोडने का है। मुख्य अतिथि महिला शाखा उत्तर प्रदेश की संरक्षक श्रीमती शशिकला श्रीवास्तव जी ने कहा कि सामाजिक संगठन में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होती हैं महिलाओं को समाज में आगे आना होगा और कहा कायस्थ महासभा 7235 का गठन ही सभी कायस्थ समाज के लोगो को सम्मान देने के लिए ही बना है और कहा कि भगवान चित्रगुप्त जी की पूजन प्रतिदिन करने से सब मनोकामना पूरी होती हैं।

कायस्थ महासभा जौनपुर के जिला अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट ने जौनपुर महिला जिलाध्यक्ष पद पर डॉ प्रतिमा श्रीवास्तव को मनोनीत किया। महिला जिलाध्यक्ष डॉ प्रतिमा श्रीवास्तव ने प्रदेश अध्यक्ष सुश्री साक्षी श्रीवास्तव से विचार विमर्श कर जौनपुर जिले टीम का गठन किया जिसमें जिला उपाध्यक्ष पद पर श्रीमती ज्योत्सना श्रीवास्तव , श्रीमती आशा श्रीवास्तव, जिला संगठन श्रीवास्तव के पद पर श्रीमती विद्या श्रीवास्तव, श्रीमती कविता श्रीवास्तव, जिला मंत्री श्रीमती ममता श्रीवास्तव, श्रीमती कलावती श्रीवास्तव को मनोनीत किया है ।

बकाया कर में निरूद्ध वाहनों की हुई नीलामी

अयोध्या। विभिन्न थानों में कर बकाया में 45 दिन से अधिक निरुद्ध वाहनों की नीलामी उत्तर प्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम 1997, की धारा 22 (3) तथा नियमावली, 1998 के नियम 9 (क) के अन्तर्गत सार्वजनिक नीलामी की गई। यह नीलामी ष्जहाँ है जैसा हैष के आधार पर आरटीओ आफिस अयोध्या में की गयी। नीलामी समिति की अध्यक्षता उप परिवहन आयुक्त (परिक्षेत्र) लखनऊ श्री राधेश्याम ने की।नीलामी में 35 वाहन शामिल थे जिसमें ट्रक, बस, टाटा मैजिक, टैंकर, ई–रिक्शा आदि शामिल थे। नीलामी से पूर्व सभी वाहन स्वामियों को नोटिस देकर कर जमा करने का अवसर भी प्रदान किया गया था जिसमें 01 ट्रक मालिक ने बकाया कर जमा करके अपनी गाड़ी मुक्त करा ली थी व कुल 34 वाहनों की नीलामी सफलतापूर्वक संपन्न हुई जिसमें उच्चतम बोली लगाने वालो को निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण कराने के उपरान्त प्राप्त कर सकेंगे। नीलामी में कुल धनराशि लगभग रू. 13,25,000 का राजस्व प्राप्त होगा जिसका 20 प्रतिशत रू. 2,65,000 आज ही जमा करा लिया गया है।नीलामी समिति में आरटीओ प्रशासन अयोध्या ऋतु सिंह, एआरटीओ प्रशासनध्प्रवर्तन डाक्टर आर.पी. सिंह भी मौजूद थे।इससे पूर्व उप परिवहन आयुक्त ने राजस्व समीक्षा करते हुए बकाया वसूली हेतु युद्ध स्तर पर नोटिस, आरसी प्रेषण आदि की कार्यवाही करने के निर्देश एआरटीओ प्रशासन को दिये। साथ ही मानक विरूद्ध संचालित व कर बकाया वाहनों पर बंदध्चालान की कार्यवाही करने के कड़े निर्देश प्रवर्तन अधिकारियों को दिये।

जीएसटी विभाग द्वारा व्यापारियों के उत्पीड़न से रोषः सौंपा ज्ञापन

बस्ती, (संवाददाता)। बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमण्डल ने प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर गुरूवार को जिलाध्यक्ष सुनील कुमार गुप्ता के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि जीएसटी विभाग द्वारा प्रदेश में धारा–79 के अन्तर्गत की जा रही वसूली व सर्वे छापे के नाम पर व सचल द्वारा व्यापारियो से किये जा रहे उत्पीडन को तत्काल प्रभाव से रोका जाय। चेयरमैन आनन्द राजपाल संयोजक सूर्य कुमार शुक्ल ने जिलाधिकारी को बताया कि उ०प्र० राज्य कर विभाग द्वारा विगत कुछ माह से व्यापारियों के विरूद्ध दमन कारी नीति अपनाते हुए उनके बैंक खातों को सीज किया जा रहा है तथा खातों से धन निकासी भी की जा रही है। जीएसटी में ईमेल द्वारा नोटिस दी जाती है जिससे

व्यापारी उनको देख नहीं पाते है, और व्यापारियो के खाते सीज किए जा रहे है व खातो से रकम निकाली जा रही है। ईमेल देख न पाने के कारण व्यापारी ग्रेड–1 के यहां अपील भी नही कर पाते है। इसके साथ ही घोषणा के बावजूद टिब्यूनल न होने के कारण दूसरी अपील भी नहीं कर पा रहे है। ज्ञापन देने के बाद बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमण्डल सुनील कुमार गुप्ता ने कहा कि सचल दल विभाग द्वारा छोटी छोटी मानवीय भूलवश ई वे बिल सहित सभी परिपत्र होने के बावजूद गाडियो में पेनाल्टी लगाकर जुर्माना जमा कराया जाता है और अपील द्वारा रिफंड किये जाने की बात की जाती है, जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है और सरकार की छवि धूमिल होती है। मांग किया कि जीएसटी की धारा 79 का दुरूपयोग बंद कराकर व्यापारियों का उत्पीड़न बंद कराया जाय।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।